



केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में नॉर्थ ईस्ट डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन (NEDFI) द्वारा आयोजित नॉर्थ ईस्ट बैंकर्स कॉन्क्लेव 2024 को संबोधित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नॉर्थ ईस्ट अगले 25 साल में भारत के विकास और विश्वास का गेटवे बनेगा और इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा

मोदी जी ने इमोशन, इकोनामी और इकोलॉजी की दृष्टि से पूर्वोत्तर को सक्षम बनाने का काम किया

अगले 10 साल तक नॉर्थ ईस्ट में औसतन 20% की दर से विकास होने वाला है

2023-24 में हमारे पब्लिक सेक्टर बैंकों ने डेढ़ लाख करोड़ का मुनाफा कमाया और उनका NPA 2.8% से कम रहा

फ्यूचर बिजनेस में इन्वेस्ट करने के लिए नॉर्थईस्ट सबसे अच्छी डेस्टिनेशन

सबसे ज्यादा पोटेंशियल नॉर्थईस्ट के अंदर है इसलिए पूर्वोत्तर को आंकड़ों से नहीं बल्कि संवेदना से देखने की ज़रूरत

सभी बैंकसं नॉथ ईस्ट के हर एक राज्य के अंदर पाटोंशियल का शत प्रतिशत एक्सप्लोर कर विकसित नॉर्थईस्ट और विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ें

आज हमारे वॉटर वे चटगाँव बंदरगाह से जुड़ चुके हैं, इसके माध्यम से पूर्वोत्तर के उत्पाद दुनियाभर में भेजने का रास्ता खुला है

भारत की बैंकों ने MUDRA लोन, SVANidhi लोन देने और 10 वर्ष में 10 लाख करोड़ की bad debt रिकवरी को पूरा करने का काम किया है

प्रविष्टि तिथि: 21 DEC 2024 8:57PM by PIB Delhi

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में नॉर्थ ईस्ट डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन (NEDFI) द्वारा आयोजित नॉर्थ ईस्ट बैंकर्स कॉन्क्लेव 2024 को संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू, केन्द्रीय उत्तर पूर्वी विकास क्षेत्र राज्य मंत्री श्री सुकांत मजुमदार और केन्द्रीय गृह सचिव श्री गोविंद मोहन सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि 140 करोड़ की जनसंख्या और विषम भौगोलिक स्थिति वाले देश भारत के लिए अर्थतंत्र को बढ़ावा देने के साथ ही हर क्षेत्र, राज्य और हर गांव और हर व्यक्ति का आर्थिक विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक हम देश के 140 करोड़ लोगों के आर्थिक विकास को पूरा नहीं कर सकते तब तक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकते। श्री शाह ने कहा कि विकसित राष्ट्र की कल्पना ही यह है कि हर व्यक्ति अपने और अपने परिवार का पालन करने में सक्षम हो, हर व्यक्ति के पास मूलभूत सुविधाएँ हों और हर व्यक्ति देश के विकास में योगदान करे। उन्होंने कहा कि ऐसा राष्ट्र ही विकसित राष्ट्र बन सकता है।

NORTH EAST
BANKE ₹S'
CONCLAVE 2024
FUELLING THE GROWTH ENGINE

सुखं भूलं धर्मः ।
धर्मो अर्थः ।

MINISTRY OF DEVELOPMENT OF
NORTH EASTERN REGION



NORTH EAST
BANKE ₹S'
CONCLAVE 2024
FUELLING THE GROWTH ENGINE

श्री अमित शाह ने कहा कि किसी भी देश को आगे बढ़ना है तो उसका सम विकास होना चाहिए और हमारे बैंकर्स को भी इस मूल सिद्धांत को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नार्थ ईस्ट का विकास हम सबकी राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी और दायित्व है। श्री शाह ने बैंकर्स से अनुरोध करते हुए कहा कि वे नार्थ ईस्ट को सिर्फ बिज़नेस, पोटेंशियल और मुनाफ़े की दृष्टि से न देखें बल्कि इसे रिस्पॉसिबिलिटी के तौर पर देखें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नॉर्थईस्ट अगले 25 साल में भारत के विकास और विश्वास का गेटवे बनेगा और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने नॉर्थ ईस्ट बैंकर्स कॉन्क्लेव में शामिल लोगों से फाइनेंशियल इन्क्लूजन, इकोनामिक डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में सहायता करने की अपील करते हुए कहा कि इनके प्रति उनका नजरिया संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने नॉर्थ ईस्ट में फाइनेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, एग्रीकल्चर, MSME और पर्सनल लोन के लिए अलग पैरामीटर बनाने का सुझाव दिया। श्री शाह ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक एक अच्छे दृष्टिकोण से नॉर्थ ईस्ट की अभी की कैपेसिटी को ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर के फाइनेंस के लिए एक विशिष्ट प्रकार की गाइडलाइन बनाए। उन्होंने कहा कि यहां बहुत बड़ा पोटेंशियल पड़ा है और आज नॉर्थ ईस्ट हमारे देश के एक्सपोर्ट का गेटवे बन गया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद भारत का कुछ हिस्सा बांग्लादेश और बांग्लादेश का कुछ हिस्सा भारत के अंदर था इसके चलते इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और रखरखाव में बड़ी दिक्कत आती थी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने पहल कर आजादी के 75 साल बाद, संविधान में संशोधन और बांग्लादेश से वार्ता करके दोनों देशों के एनक्लेव एक्सचेंज करने का काम किया। इसके कारण आज हमारे वॉटर वे और वॉटर बेस चटगाँव के साथ जुड़ चुके हैं और आज चटगाँव बंदरगाह के जरिए पूरे नॉर्थ ईस्ट से दुनियाभर में उत्पाद भेजने के रास्ते खुले पड़े हैं। उन्होंने कहा कि पहले ट्रांसपोर्टेशन कोस्ट 12से 15 प्रतिशत होती थी जिससे नॉर्थईस्ट के उत्पाद देश से बाहर नहीं भेजे जा सकते थे लेकिन आज नॉर्थईस्ट में कुछ भी उत्पादन करो चटगाँव बंदरगाह के जरिए दुनिया भर का बाजार खुला है।



केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गत 10 साल के अंदर नॉर्थ ईस्ट का आर्थिक रूप से पूर्ण विकास करने के लिए कनेक्टिविटी की क्रांति लगभग पूरी हो चुकी है। स्थानीय संसाधनों के समुचित और सही उपयोग के लिए ISRO के माध्यम से बहुत अच्छे प्रोग्राम्स बन चुके हैं, साथ ही पूर्वोत्तर में शांति और स्थिरता भी आई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इमोशन, इकोनामी और इकोलॉजी, इन तीनों दृष्टि से पूर्वोत्तर को सक्षम बनाने का काम किया है। पिछले 10 साल में श्री नरेन्द्र मोदी जी स्वयं 65 बार नॉर्थ ईस्ट आए हैं और केन्द्रीय मंत्रियों ने नॉर्थ ईस्ट में 700 से ज्यादा रात बिताई हैं। यह बताता है कि नॉर्थ ईस्ट भारत सरकार का फोकस है।

श्री अमित शाह ने कहा कि विगत 10 साल में भारत में बैंकिंग में बहुत सारे सफल कानून बनाए गए हैं। भारत की बैंकों ने MUDRA लोन, SVANidhi लोन और 10 वर्ष में 10 लाख करोड़ की bad debt रिकवरी को पूरा करने का काम किया है। गृह मंत्री ने कहा कि 10 पब्लिक सेक्टर बैंक का पब्लिक सेक्टर बैंक में विलय किया गया। पहले पब्लिक सेक्टर बैंक घाटे में होते थे लेकिन 2023-24 में हमारे पब्लिक सेक्टर बैंक ने डेढ़ लाख करोड़ का मुनाफा किया है और उनका एनपीए 2.8% से काम हो गया है। उन्होंने कहा कि प्युचर बिजनेस में इन्वेस्ट करने के लिए नॉर्थ ईस्ट के अलावा कोई और डेस्टिनेशन नहीं है क्योंकि अगले 10 साल तक नॉर्थ ईस्ट में औसतन 20% का विकास होने वाला है। श्री शाह ने कहा कि फाइनेंस पॉलिसी को थोड़ा लचीला बनाकर पूर्वोत्तर के हर क्षेत्र और उद्योग को एक अच्छा पैकेज देकर आगे बढ़ाना चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा कि UPI सबसे बड़ा फायदा नॉर्थ ईस्ट को ही होने वाला है। भारत के 95% गांव 3G और 4G कनेक्टिविटी से युक्त हो चुके हैं और नॉर्थ ईस्ट में भी 80% कनेक्टिविटी पूरी हो चुकी है। साथ ही नॉर्थ ईस्ट के अंदर ढेर सारे इंफ्रास्ट्रक्चर के काम हुए हैं, 20 से ज्यादा वाटर बेस बन चुके हैं और शांति भी स्थापित हो गई है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में बहुत

सारी इंडस्ट्रीज के यहां आने की संभावना है। टाटा का 27000 करोड़ रुपये का सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट यह बताता है कि नॉर्थ ईस्ट के पोटेंशियल को एक्सप्लोर करने के लिए बड़े-बड़े उद्योग समूह भी आगे या रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि 50000 मेगा वॉट जल विद्युत की क्षमता एक्सप्लोर नहीं हुई है और ब्रह्मपुत्र का कभी समाप्त न होने वाला देश को सस्ती बिजली पहुंच सकता है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सबसे ज्यादा पोटेंशियल नॉर्थ ईस्ट के अंदर है इसलिए पूर्वोत्तर को आंकड़ों से नहीं बल्कि संवेदना से देखने की ज़रूरत है। इसका विकास बिजनेस का काम नहीं, राष्ट्रीय दायित्व का काम होना चाहिए। उन्होंने अपील की कि नार्थ ईस्ट को पूर्ण विकसित क्षेत्र बनाने के लिए सभी बैंकर्स मोदी जी के हाथ मजबूत करें और नॉर्थ ईस्ट के हर एक राज्य के अंदर पोटेंशियल को शत प्रतिशत एक्सप्लोर कर विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ें।

RR/VV/RR/PR

(रिलीज़ आईडी: 2086888) आगंतुक पटल : 344